

कांग्रेस घाटी राष्ट्रीय उद्यान में दखा दुर्लभ 'माउस डयिर'

चर्चा में क्यों?

30 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क वभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बस्तर स्थति वख्यात कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में अब दुर्लभ प्रजाति 'माउस डयिर'की तस्वीर कैमरा ट्रेप में कैद हुई है।

प्रमुख बदि

- हाल ही में कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में संकटापन्न जंगली भेड़ियों की वापसी के साथ-साथ इससे लगे गाँवों तक छत्तीसगढ़ की राजकीय पक्षी 'पहाड़ी मैना'की भी मीठी बोली गूजने लगी है।
- यह वन वभाग की पहल से वन्यजीवों के सुरक्षति रहवास के लयि कयि जा रहे कार्यों के सकारात्मक परणाम को दर्शाता है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन द्वारा लगातार वन्यजीवों के संरक्षण की दशा में कार्य करने से दुर्लभ प्रजातियों का रहवास सुरक्षति हुआ है।
- कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के नदिशक धम्मशील गणवीर ने बताया क राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन द्वारा स्थानीय युवाओं को पेट्रोलगि गार्ड के रूप में रोजगार उपलब्ध कराया गया है, जसिसे लगातार पेट्रोलगि और मॉनटरगि कर वन्यजीवों के रहवास का संरक्षण कयि जा रहा है। साथ ही राष्ट्रीय उद्यान से लगे ग्रामीणों की संरक्षण में सहभागता सुनश्चिति होने से वन्य प्राणियों की संख्या में बढोतरी देखी जा रही है।
- उल्लेखनीय है क भारत में पाए जाने वाले हरिणों की 12 प्रजातियों में से माउस डयिर वशिव में सबसे छोटे हरिण समूह की प्रजाति में से एक है।
- भारतीय माउस डयिर का रहवास वशेष रूप से घने झाड़ियों तथा नमी वाले जंगलों में होता है। माउस डयिर में चूहे-सूअर और हरिण के रूप और आकार का मश्रण दखाई देता है और बनिा सींग वाले हरिण का एकमात्र समूह है।
- माउस डयिर के शर्मिले वयवहार और रातरकालीन गतविधि के कारण इनके वषिय में वशेष रसिरच नहीं हुआ है। मुख्य रूप से दक्षणि एशया और दक्षणि पूरव एशया के उषणकटबिंधीय नम परणपाती वनों में माउस डयिर की उपस्थति दिरज हुई है।
- वनों में लगने वाली आग, बढते हुए अतकिरण और शकिार के दबाव से भारतीय माउस डयिर की आबादी को शायद गंभीर खतरे का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में इन प्रजातियों को बचाने के प्रयास की आवश्यकता है।
- कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में ऐसे वन्यजीव के लयि उपयुक्त रहवास होने से और राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन द्वारा वन्य जीवों के संरक्षण हेतु लगातार चलाए जा रहे जागरूकता अभयान और स्थानीय लोगों की सहभागता के परणामस्वरूप 'माउस डयिर'जैसे दुर्लभ प्रजातियों की वापसी देखे जाने से राज्य शासन की वन्यजीव संरक्षण का उद्देश्य साकार हो रहा है। इससे पर्यटक आकर्षति होंगे तथा राष्ट्रीय उद्यान में सैलानियों की संख्या और अधिक बढेगी।



//

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rare-mouse-deer-seen-in-kanger-ghati-national-park>